उन्नत बीज उत्पादन एवं फसल सघनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

आज दिनांक 22 जून, 2018 को केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में "किसानों की आय दोगुना करने के लिये उन्नत बीज उत्पादन एवं फसल सघनीकरण" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण समन्वयक डा. प्रवेन्द्र श्योराण ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा किसानों को धान तथा गेहूं फसलों में व्यावसायिक बीज उत्पादन की तकनीकियों के साथ–साथ गन्ना आधारित फसल सघनीकरण पर कौशल विकास किया गया ताकि किसान आत्मनिर्भर और सफल बीज उद्यमी के रूप मे विकसीत हो सके। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में करनाल, कैथल एवं सोनीपत जिले के 21 किसानों ने भाग लिया। समापन समारोह के मूख्य अथिति भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल के अध्यक्ष डा. विनोद कुमार पंडिता थे। अपने संबोधन में उन्होंने किसानों को बताया कि बीज उन्नत कृषि का मुख्य आधार है और किसी भी फसल की पैदावार सबसे पहले उस किस्म के बीज की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। डा. पंडिता ने व्यावसायिक बीज उत्पादन के लिये अपनायी जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में अपने विचार साझा किए। संस्थान के कार्यकारी निदेशक डा. एम जे कलकढोणकर ने बताया कि लगभग एक–तिहाई किसान अब भी पुरानी किस्मों का अपना बचाया हुआ बीज ही उपयोग करते हैं जिसका पैदावार क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। यह अच्छी तरह स्थापित है कि अकेले गुणवत्ता बीज के उपयोग से ही 10–15 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं। कार्यक्रम में डा. अनिल कुमार, अनिता मान, अश्वनी कुमार, कैलाश प्रजापत, आर राजु आदि भी मौजूद रहे।